सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 157 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 12 जुलाई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

किसी की निंदा न करें। अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो ज़रुर बढाएं, अगर नहीं बढ़ा सकते, तो अपने हाथ जोड़िए, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिये और उन्हें अपने मार्ग पर जाने दीजिये।

-स्वामी विवेकानंद

राजनीतिक दलों के दबाव में पीछे हटा... 7 | बजट को लेकर मची सियासी... 3 | झूठ के दम पर सरकार चलाना... 2

केजरीवाल को 'सुप्रीम' राहत पर तेज हुई सियासत

आप और बीजेपी में बढ़ी तीखी नोकझोंक

सीएम को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

» शराब घोटाला मामले में ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका बड़ी पीठ के पास भेजी गई

» आप नेताओं ने कहा- सत्यमेव जयते

» बीजेपी बोली- बरी नहीं हुए हैं, मुख्यमंत्री ने किया है भ्रष्टाचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई है। इसके बाद राजधानी से लेकर पूरे देश में सियासत भी तेज हो गई है। आप समेत सभी विपक्षी नेताओं ने इसे सत्य की जीत बताते हुए मोदी सरकार व बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। वहीं बीजेपी ने भी इस पर पलटवार करते हुए कहा है कि अंतरिम जमानत का मतलब यह नहीं है कि आप बरी हो गए हैं।

ज्ञात हो कि आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को कथित शराब घोटाला मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली के मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना की। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसला सुनाया और ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका को बड़ी पीठ के पास भेज दिया।

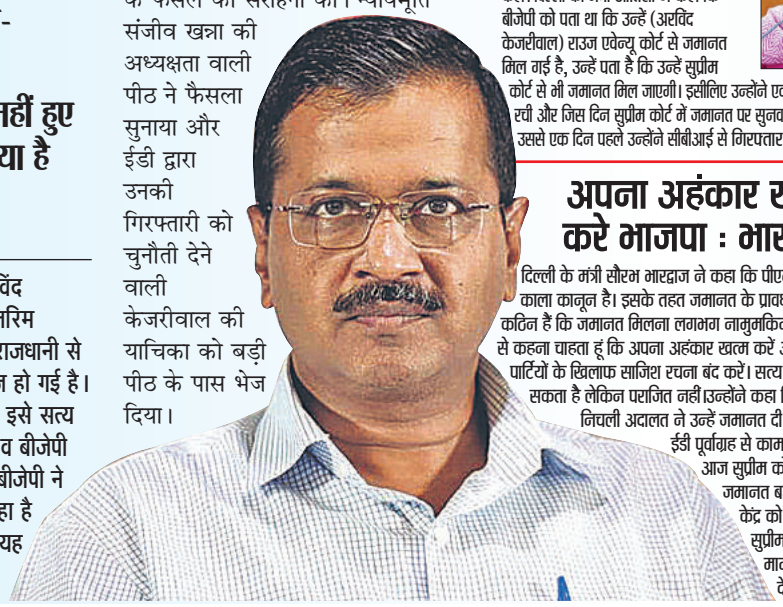

बीजेपी की साजिश का पर्दाफाश : आतिशी

सत्तारूढ़ दल ने भगवा पार्टी से पूछा कि केजरीवाल को सीबीआई ने क्यों गिरफ्तार किया और उसे अपना अहंकार खत्म करने को कहा। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि बीजेपी को पता था कि उन्हें (अरविंद केजरीवाल) राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत मिल गई है, उन्हें पता है कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत मिल जाएगी। इसीलिए उन्होंने एक और साजिश रची और जिस दिन सुप्रीम कोर्ट में जमानत पर सुनवाई होनी थी, उससे एक दिन पहले उन्होंने सीबीआई से गिरफ्तार करा दिया।

अपना अहंकार खत्म करे भाजपा : भारद्वाज

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पीएमएलए एक काला कानून है। इसके तहत जमानत के प्रावधान इतने कठिन हैं कि जमानत मिलना लगभग नामुमकिन है। मैं बीजेपी से कहना चाहता हूं कि अपना अहंकार खत्म करें और दूसरी पार्टियों के खिलाफ साजिश रचना बंद करें। सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं।उन्होंने कहा कि सबसे पहले निचली अदालत ने उन्हें जमानत दी और कहा कि ईडी पूर्वाग्रह से काम कर रही है तो, आज सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई जमानत बहुत बड़ी बात है। केंद्र को उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट उन्हें ईडी मामले में जमानत दे देगा।

अंतरिम जमानत, अपराध से राहत नहीं : सहरावत

बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि अंतरिम जमानत किसी के द्वारा किए गए अपराध से राहत नहीं है। अंतरिम जमानत में मामला आगे बढ़ने पर व्यक्ति को जेल से बाहर रहने का प्रावधान है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अरविंद केजरीवाल ने कोई घोटाला नहीं किया है, कि वह भ्रष्टाचार में शामिल नहीं थे।

यह जांच एजेंसी और न्यायपालिका के बीच का फैसला : सचदेवा

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह जांच एजेंसी और न्यायपालिका के बीच का फैसला है। कोर्ट का स्पष्ट फैसला आने दीजिए। लेकिन दिल्ली की जनता यह भलीभांति जानती है कि जिस तरह से अरविंद केजरीवाल ने एक्साइज पॉलिसी मामले में भ्रष्टाचार किया है, वैसा ही मामला इस बिजली घोटाले का है, जहां दिल्ली की जनता को लूटने की कोशिश की जा रही है।

देश का समय बर्बाद ना करें गृहमंत्री : संदीप पाठ

आप नेता संदीप पाठक ने कहा, आज सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया फैसला ऐतिहासिक है। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा द्वारा रचित तथाकथित शराब घोटाले को ध्वस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी जमानत देते वक्त कई महत्वपूर्ण बातें कही थी कि कोई भी सुबूत नहीं मिला है और ईडी पक्षपाती है। केजरीवाल जी की गिरफ्तारी गैर कानूनी है।

आरएसएस मानहानि मामले में राहुल को बड़ी राहत

भिवंडी कोर्ट के आदेश को बॉम्बे हाईकोर्ट ने किया रद्द

मुंबई। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राहत देते हुए, बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भिवंडी अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यकर्ता द्वारा पूर्व कांग्रेस प्रमुख के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में सबूत के रूप में कुछ अतिरिक्त दस्तावेजों की अनुमति दी गई थी। पूर्व कांग्रेस प्रमुख के खिलाफ मामले में आदेश न्यायमूर्ति पृथ्वीराज के चव्हाण ने पारित किया। गांधी ने एक याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि ट्रायल कोर्ट ने आरएसएस पदाधिकारी राजेश कुंटे को कुछ दस्तावेज देर से पेश करने की अनुमति दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि आक्षेपित आदेश को रद्द किया जाता है और अलग रखा जाता है। मजिस्ट्रेट अदालत को कानून के अनुसार मुकदमे को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया जाता है और पार्टियों से अपेक्षा की जाती है कि वे मामले को शीघ्रता से निपटाने में सहयोग करें। 3 जून को, ठाणे की भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत ने आरएसएस पदाधिकारी द्वारा प्रस्तुत कुछ दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर ले लिया, जो रायबरेली के सांसद के खिलाफ मामले में शिकायतकर्ता हैं। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कथित मानहानिकारक बयान की प्रतिलेख को साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया, जो मानहानि मुकदमे के आधार के रूप में कार्य किया।

हाथरस भगदड़ मामले की सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

» शीर्ष कोर्ट ने जांच की मांग वाली जनहित याचिका खारिज की

» याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट जाने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने आज (12 जुलाई) हाथरस भगदड़ की घटना की जांच के लिए सेवानिवृत्त शीर्ष अदालत के न्यायाधीश की निगरानी में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति नियुक्त करने के निर्देश की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जहां 2 जुलाई (मंगलवार) को 100 से अधिक लोग मारे गए थे।

अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को घटना पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और अधिकारियों, अधिकारियों और अन्य के खिलाफ उनके लापरवाह आचरण के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इसमें शीर्ष अदालत से राज्यों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे किसी भी धार्मिक या अन्य आयोजन के आयोजन में जनता की सुरक्षा के लिए भगदड़ या अन्य घटनाओं को रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी करें, जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होते हैं। हाथरस में एक धार्मिक सभा में भगदड़ में कम से कम 121 लोग मारे गए। बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित सत्संग के लिए हाथरस जिले के फुलराई गांव में 2.5 लाख से अधिक भक्त एकत्र हुए थे, जिन्हें साकार विश्वहरि और भोले बाबा के नाम से भी जाना जाता है।उत्तर प्रदेश पुलिस ने आयोजकों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें उन पर सबूत छिपाने और शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है, जिसमें 2.5 लाख लोग उस कार्यक्रम में इकट्ठा हुए, जिसमें केवल 80,000 लोगों को अनुमति दी गई थी।

एक परेशान करने वाली घटना पर विचार नहीं कर सकते : सीजेआई

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह एक परेशान करने वाली घटना है, लेकिन वह इस मामले पर विचार नहीं कर सकती और उच्च न्यायालय ऐसे मामलों से निपटने के लिए मजबूत अदालतें हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से अपनी याचिका के साथ उच्च न्यायालय जाने को कहा। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार, याचिका को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आना था।

झूठ के दम पर सरकार चलाना चाहती है बीजेपी : अखिलेश

बोले- अपने लोगों को मुनाफा दिलाने के लिए एनडीए सरकार बढ़ा रही महंगाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भाजपा सरकार लगातार कांग्रेस व सपा के निशाने पर है। दोनों ही पार्टियों के शीर्ष नेताओं इसे लेकर मोदी व योगी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार में बैठे लोग झूठ के दम पर सरकार चलाना चाहते हैं। वह जमीनी हकीकत से दूर हैं। महंगाई बढ़ाने के लिए भाजपा जिम्मेदार है क्योंकि वो अपने लोगों को मुनाफा कमाने दे रहे हैं।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगी होर्डिंग, लिखा- 100 रुपये से कम में दाल लेना हो तो मंत्री से संपर्क करें

कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष शरद शुक्ला ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगा दी है कि 100 रुपये से कम में दाल लेना हो तो मंत्री जी से संपर्क करें। बता दें कि भाजपा सरकार लगातार महंगाई के मुद्दे पर जनता और विपक्ष के निशाने पर है। कांग्रेस नेता का कहना है कि मंत्री जी जनता की गरीबी और मुश्किलों का मजाक बना रहे हैं।

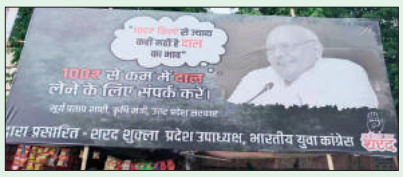

गौरतलब हों कि बीते दिनों लखनऊ में प्रेसवार्ता के दौरान यूपी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बयान दिया था कि प्रदेश में कहीं भी दाल 100 रुपये से अधिक में नहीं है और जब उनसे पूछा गया कि कहां पर सौ रुपये में दाल मिल रही है तो वह हंसने लगे। इसे लेकर विपक्ष ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एम्स में भर्ती, अब हालत स्थिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तबीयत गुरुवार को अचानक खराब हो गई जिसके बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराना पड़ा। पीठ में तेज दर्द के बाद उनकी तबीयत खराब हुई थी ल, लेकिन अब उनकी उनकी हालत बिल्कुल स्थिर बताई जा रही है। हालांकि वे अभी भी एम्स में भर्ती हैं और आगे की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एम्स अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग में भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि रक्षा मंत्री पिछले कई दिनों से बैक पेन समस्या से परेशान थे जिसके बाद आज उन्हें एम्स अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। रक्षा मंत्री का इलाज एम्स अस्पताल के सीनियर डॉक्टरों की देखरेख में किया जा रहा है।

एम्स अस्पताल सूत्रों के अनुसार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तबीयत स्थिर है और डॉक्टर के द्वारा उनका चेकअप किया जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कल जन्मदिन भी था जन्मदिन के अगले दिन ही रक्षा मंत्री को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हरियाणा में बढ़ते अपराध को रोकने में नाकाम भाजपा सरकार : चौटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश के मौजूदा हालातों को चिंताजनक करार देते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह 'फेल' हो चुकी है।

चौटाला ने कहा कि बुधवार को हांसी में जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता रविंद्र सैनी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई और अब तक एक भी आरोपी को नहीं पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ में टोल प्लाजा, पानीपत और सोनीपत में भी गोलीबारी की घटनायें हुई हैं।

पूर्व सपा विधायक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। उतरौला से पूर्व सपा विधायक आरिफ अनवर हाशमी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। बलरामपुर पुलिस ने आरिफ के मुकदमों और संपत्तियों की फेहरिस्त ईडी को बीते दिनों सौंपी थी जिसकी शुरुआती जांच के बाद केस दर्ज करने का निर्णय लिया गया। जल्द ही ईडी की टीम बलरामपुर जाकर आरिफ की संपत्तियों को चिह्नित करके जब्त करने की कार्रवाई करेगा।

बीते अप्रैल में बलरामपुर पुलिस ने ईडी ऑफिस को सपा नेता द्वारा काली कमाई से जुटाई गई संपत्तियों और मुकदमों का ब्योरा ईडी के अधिकारियों को सौंपा था जिसमें आरिफ हाशमी की करीब 115 करोड़ की संपत्तियां जब्त करने के बारे में भी बताया गया था। ईडी अधिकारियों ने

दस्तावेजों की पड़ताल में सामने आया कि आरिफ अनवर हाशमी पर दर्ज मुकदमों में लगी धाराओं के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज करने के पर्याप्त आधार हैं।

ईडी ने पुलिस मुख्यालय से भी आरिफ की संपत्तियों की जानकारी मांगी तो पता चला कि आरिफ और उनके कुनबे के सदस्यों ने तमाम निजी और सरकारी जमीनों पर कब्जा करके करोड़ों रुपये की अवैध कमाई जुटाई है।

महाराष्ट्र विस चुनाव में विपक्ष 225 सीटें जीतेगा : पवार

बोले- गलत हाथों में है राज्य की बागडोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने दावा किया कि इस साल के अंत में होने वाले चुनाव में विपक्ष महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीट में से 225 पर जीत हासिल करेगा। पवार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष ने 2019 में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से सिर्फ छह सीट जीती थीं, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में यह आंकड़ा बढ़कर 31 हो गया।

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र गलत हाथों में है। लोकसभा चुनाव में लोगों ने बदलाव के संकेत दिए हैं। तस्वीर यह है कि विपक्ष (महाराष्ट्र) विधानसभा

चुनाव में 288 में से 225 सीट जीतेगा।'' महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) है जिसमें शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा (एसपी) शामिल हैं।

अनंत अंबानी की शादी में शामिल होने लालू परिवार मुंबई पहुंचा

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव परिवार के साथ मुंबई रवाना हो चुके हैं। वह रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयनमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी समारोह में शामिल होंगे। लालू के साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, बेटा तेजस्वी यादव और बहू राजश्री यादव भी शामिल हैं। विशेष विमान से लालू प्रसाद अपने परिवार अंबानी-राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने के लिए पटना एयरपोर्ट से मुंबई के लिए रवाना हुए। तेजस्वी यादव ने कहा कि अनंत अंबानी की शादी का निमंत्रण मिला है। उसमें ही शामिल होने जा रहे हैं। अंबानी परिवार ने बिहार से लालू और नीतीश कुमार को शादी समारोह में आने के लिए निमंत्रण दिया था।

भाजपा सरकार से हरियाणा मांगेगा हिसाब : भूपिंदर हुड्डा

» कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ लॉन्च किया अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार के कार्यों को सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। चुनाव को लेकर कांग्रेस ने माहौल बनाने की पहल के तहत सरकार से प्रदेश में बीते 5 साल में करवाए गए कार्यों को लेकर जवाब मांगना शुरू कर दिया है।

चंडीगढ़ स्थित हरियाणा कांग्रेस कार्यालय से पार्टी ने एक अभियान भी शुरू किया है। इसका नाम भाजपा सरकार से हरियाणा मांगे हिसाब अभियान दिया गया है। वीरवार को दोपहर बाद कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह चंडीगढ़ स्थित हरियाणा कांग्रेस के कार्यालय पहुंचे। यहां आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने अन्य नेताओं के साथ मिलकर उक्त अभियान को लॉन्च

किया। इस दौरान कांग्रेस के सीनियर नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा समेत अन्य भी मौजूद रहे। इस दौरान हरियाणा विधानसभा चुनाव पर राज्य विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस और भाजपा के बीच ही मुकाबला है। बाकि तीसरी कोई पार्टी नहीं है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि हरियाणा में कांग्रेस और बीजेपी के बीच लड़ाई है। दूसरे दल जो हैं वो वोट काटू (वोट काटने वाले) है। उनकी हरियाणा में कोई जगह नहीं है। क्योंकि प्रदेश की जनता समझदार है। लोगों को पता है कि उन्हें किसे वोट देना है।

बजट को लेकर मची सियासी हठ

अर्थशास्त्रियों का वित्त व प्रधानमंत्री ने मन टटोला

» एनडीए सरकार में भागीदार जदयू-टीडीपी ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन

» मप्र व राजस्थान के बजट पर कांग्रेस का निशाना

» क्रेंदीय बजट को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष में रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 23 जुलाई को केंद्रीय बजट आने वाला है। एनडीए सरकार के पीएम मोदी व वित्त मंत्री सीतारमन तैयारी में जुट गए हैं। भारत सरकार के बजट से पहले मध्य प्रदेश व राजस्थान की सरकारों ने भी अपने-अपने बजट पेश किया। बजट को लेकर जहां दोनों राज्यों में सियासी बवाल मचा है। दोनों ही राज्यों में बीजेपी की सरकार है। जहां सता पक्ष अपने बजट को विकासोन्मुखी बता रही है तो विपक्ष निशाना साध रहा है। कांग्रेस से लेकर आप तक दोनों राज्यों के बजट को बेकार बता रहे हैं तो बीजेपी इसे आम लोगों को फादया देने वाला बजट बताया है। उधर केंद्र में बजट से पहले बीजेपी के माथे पर पसीना आने लगा है क्यों उसके सहयोगी दल जदयू व टीडीपी अपने-अपने राज्यों के लिए अधिक से अधिक बजट की मांग रखी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 जुलाई को पेश होने वाले केंद्रीय बजट से पहले अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक की, इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद रहीं। विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों में सुरजीत भल्ला, ए के भट्टाचार्य, प्रोफेसर अशोक गुलाटी, गौरभ बल्लभ, अमिता बत्रा, महेंद्र देव और के वी कामथ शामिल थे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में 2024-25 का बजट पेश करने वाली हैं। प्रधानमंत्री की बैठक में अर्थशास्त्रियों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों के अलावा नीति-आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और अन्य सदस्य भी शामिल हुए हैं। यह मोदी 3.0 सरकार का पहला प्रमुख आर्थिक दस्तावेज होगा, जिसमें अन्य बातों के अलावा, 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का रोड मैप पेश करने की उम्मीद है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले महीने संसद की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन में संकेत दिया था कि सरकार सुधारों की गति को तेज करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्यवादी दृष्टिकोण का एक प्रभावी दस्तावेज होगा।इससे पहले, सीतारमण ने आगामी बजट पर अर्थशास्त्रियों और भारतीय उद्योग जगत के प्रमुखों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ चर्चा की है। कई विशेषज्ञों ने सरकार से उपभोग को बढ़ावा देने के लिए आम आदमी को कर में राहत देने और मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने तथा आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 जुलाई को पेश होने वाले केंद्रीय बजट से पहले अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक की, इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद रहीं।

दिल्ली से लिखकर आया राजस्थान बजट भाषण, किसानों गरीबों की अनदेखी हुई : सांसद हनुमान बेनीवाल

राजस्थान सरकार की ओर पेश किए गए बजट में गांव, किसान और मजदूर का कल्याण करने से जुड़ी ठोस कार्ययोजनाओं का अभाव दिखा। बजट भाषण में वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा बार-बार केंद्र की योजनाओं का जिक्र किया गया, जिससे यह भी स्पष्ट हुआ कि मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची जिस तर्ज पर दिल्ली से आई थी, उसी तरह बजट भाषण भी दिल्ली से टाइप होकर आया है। यह करारा हमला सांसद हनुमान बेनीवाल ने भाजपा पर बोला। उन्होंने कहा कि बजट की अधिकतर घोषणाएं धरातल पर नहीं उतरेगी। मैं बजट भाषण की प्रति को पढ़ रहा था, उसमें नागौर जिले के मेड़ता और जायल क्षेत्र से संबंधित जिन सड़कों और खाटू में आरओबी की घोषणा हुई, उन कार्यों की स्वीकृति तो 2024 में ही CRIF योजना के अंतर्गत हो चुकी थी। जिनके प्रस्ताव भी मेरे द्वारा सांसद के रूप में मेरे प्रथम कार्यकाल में ही केंद्र सरकार को भेजे जा चुके थे। ऐसे में स्वीकृत हो चुके कार्यों को पुनः बजट घोषणा का हिस्सा दिखाना यह साबित करता है कि राजस्थान सरकार की अधिकतर बजट घोषणाएं केवल दिखावा मात्र हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल ने जब बजट से पहले संवाद किया तब लगा कि प्रदेश में जमीनी स्तर पर व्यापत समस्याओं का समाधान करने की दिशा में कार्य करेंगे। लेकिन, बजट भाषण में ऐसा कुछ नजर नहीं आया। बेनीवाल ने कहा कि सरकार की ओर से बजट में 5 साल में 4 लाख युवाओं को रोजगार देने की बात भी केवल दिखावा मात्र है। पूर्ववती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भाजपा ने किसान कर्ज माफी की घोषणा को लेकर 5 साल तक कांग्रेस का मजाक बनाया था। मैं अब भाजपा सरकार से पूछना चाहता हूं कि अब तो आप शासन में हो ऐसे में किसानों की संपूर्ण कर्ज माफी के संदर्भ में बजट में कोई भी बात क्यों नहीं की गई। किसानों की कर्ज माफी करने, स्टेट हाइवे को टोल फ्री करने, बूंद-बूंद सिंचाई योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले कृषि कनेक्शन को एक वर्ष में ही सामान्य श्रेणी में तब्दील करने जैसे निर्णय का अभाव इस बजट में नजर आया जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

मप्र में कर्ज लेकर सरकार चल रही : पटवारी

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सरकारी उपक्रमों (पीएसयू)के घाटे को लेकर कैग की रिपोर्ट पर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा है कि कर्ज लेकर घी में नहाने की नई परंपरा शुरू करने वाली बीजेपी सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के जरिए पब्लिक डोमेन में यह तथ्य आया है कि भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैग) ने मप्र सरकार को अपने सरकारी उपक्रमों (पीएसयू) की बदहाल स्थिति को लेकर कड़ी नसीहत दी है। पटवारी लिखा कि प्रदेश के 41 निष्क्रिय और भारी घाटे वाले पीएसयू को लेकर कैग ने राज्य सरकार के मॉनिटरिंग मॉडल को कटघरे में खड़े करते हुए कहा है कि सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने के बजाए इनके कामकाज की गंभीरता से समीक्षा करे, या तो इन्हें बंद कर दे या फिर इनके पुनरुद्धार के लिए कदम उठाए। कर्ज लेकर घाटे के ऐसे लग्जरी एक्सपेरिमेंट क्यों किया जा रहे हैं। सरकार की अनुमति से हो रहे इस घृत-स्नान की सीधे तौर पर जिम्मेदारी भी तो सरकार की ही है। यह सरकार की समीक्षा के दायरे में कब आएंगे।

सबसे अधिक बेरोजगारी दर वाले राजस्थान में बजट में कुछ नहीं

कांग्रेस के राष्ट्य महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान की भजनलाल सरकार के पहले पूर्ण बजट को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि जनता को सरकार से उम्मीद थी कि प्रदेश में लगातार बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी को कम करने के लिए बजट में कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे। लेकिन, सरकार ने बजट से प्रदेश की जनता को विशेषकर मध्यम वर्ग, किसान, युवाओं को निराशा ही हाथ लगी है। पायलट ने कहा कि हरियाणा के बाद देश में सबसे अधिक बेरोजगारी दर वाले राजस्थान की बेरोजगारी दर को कम करने का सरकार द्वारा बजट में कोई रोडमैप प्रस्तुत नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को बेरोजगारी को कम करने के लिए अगले पांच सालों में 4 लाख भर्तियां करने का संकल्प मात्र लेने के स्थान पर इसके लिए ठोस कार्य योजना प्रस्तुत करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी भत्ते पर बजट में चुप्पी साध ली गई है, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई को कम करने के लिए भी बजट में कोई उल्लेख नहीं किया गया है। अमीर और गरीब के बीच ब?ती खाई को कम के लिए कोई काम नहीं किया गया है। केन्द्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद पेट्रोल, डीजल, केरोसीन के दामों को कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि का बजट भाषण में कोई उल्लेख नहीं है और न ही यह उल्लेख है कि ईआरसीपी और यमुना परियोजना के लिए केंद्र सरकार से इस वर्ष क्या सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि बिजली कंपनियों पर कर्ज का बार बार उल्लेख किया गया है, लेकिन भाजपा सरकार इस कर्ज को किस तरह कम करेगी इसका कोई रोडमैप बजट में नहीं रखा गया है। नए उद्योग हब बनाए जाने के साथ साथ वर्तमान एमएसएमई उद्योगों को घाटे से बाहर लाने के लिए कोई दृष्टिकोण प्रस्तुत नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जिन बड़ी योजनाओं की घोषणाएं की गई हैं, उनमें से अधिकतर योजनाओं पर इस वर्ष बहुत कम व्यय होना दिखाई देता है।

गिग श्रमिकों के लिए राष्ट्रीय कानून की आवश्यकता : जयराम

गिग श्रमिकों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए अपनी राज्य सरकारों द्वारा बनाए गए कानूनों का हवाला देते हुए, कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि भारत को ऐसे श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय कानूनी और सामाजिक सुरक्षा वास्तुकला की आवश्यकता है और उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट उस दिशा में एक कदम उठाएगा। कांग्रेस महासचिव, प्रभारी संचार, जयराम रमेश ने कहा कि कर्नाटक प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स बिल, 2024 एक ऐतिहासिक अधिकार-आधारित कानून है जो राज्य में प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिकों को औपचारिक अधिकार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। कर्नाटक सरकार ने पिछले महीने प्रस्तावित कर्नाटक प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर्स बिल, 2024 का एक मसौदा जारी किया था, जिसका उद्देश्य अन्य तंत्रों के बीच एक बोर्ड, कल्याण निधि और शिकायत सेल के निर्माण के साथ राज्य में उनके अधिकारों की रक्षा करना था। रमेश ने विधेयक की कुछ विशेषताओं को सूचीबद्ध किया जैसे कि गिग श्रमिकों की वकालत के लिए गिग श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और कल्याण निधि और गिग श्रमिक कल्याण बोर्ड की स्थापना। विधेयक में सरकार के साथ सभी गिग श्रमिकों के अनिवार्य पंजीकरण का भी आह्वान किया गया है और कहा गया है कि एग्रीगेटर्स अब 14 दिन की पूर्व सूचना और वैध कारण बताए बिना किसी कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकाल सकते हैं। बिल के मुताबिक, एग्रीगेटर्स को हर हफ्ते गिग वर्कर्स को भुगतान करना होगा। रमेश ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी, भारत जोड़ो यात्रा के बाद से भारत के गिग श्रमिकों के लिए एक अग्रणी आवाज रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विकास के लिए प्रकृति का दोहन हो शोषण नहीं !

केंद्रीय बजट आने वाला है। सबको उम्मीद है सरकार आमजन के हित वाले फैसले लेगी। पिछले दस साल से देश में कुछ ऐसे फैसले लिए गए जिसने आम लोगों की आर्थिक हालात को नुकसान पहुंचाया। हालांकि बीजेपी सरकार यह दावा करती रही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में मजबूती से बढ़ रही है। पांचवी आर्थिक महाशक्ति बना भारत आने वाले समय में और आगे बढ़ेगा इन सबके बीच अब भी बहुत कुछ सुधार की गुंजाइश है। भारत को चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) की जरूरत है। इसका आशय उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है।

प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी। एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है। समय आ गया अब सचेत होने की जरूरत है।

“ पांचवी आर्थिक महाशक्ति बना भारत आने वाले समय में और आगे बढ़ेगा इन सबके बीच अब भी बहुत कुछ सुधार की गुंजाइश है। भारत को चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) की जरूरत है। इसका आशय उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेहतर प्रबंधन व कौशल विकास में समाधान

सतीश मेहरा

आज भारत में आबादी का आंकड़ा 143 करोड़ के नजदीक है। यूएनएफपीए की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन (142.86 करोड़) तक पहुंच गई है, जबकि चीन की 1,425.7 मिलियन (142.57 करोड़) है, जिसका मतलब है हमारी जनसंख्या चीन से 2.9 मिलियन यानी 29 लाख ज्यादा है। हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश भी बना है यानी 35 वर्ष तक की आश्रित युवा आबादी सबसे अधिक 29 प्रतिशत भारत में ही है। यूएनएफपीए की ताजा रिपोर्ट में आकंड़ों के अनुसार भारत में लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 की उम्र के बीच है जबकि 65 से ऊपर की जनसंख्या सिर्फ 7 प्रतिशत है।

भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग के बच्चों की है, वहीं 18 प्रतिशत 10-19 साल की आयु के बच्चों की आबादी है। साथ ही 10 से 24 साल के आयु वर्ग की जनसंख्या 26 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या पूर्वानुमान-2022 के अनुसार 2050 तक भारत की जनसंख्या 166.8 करोड़ पहुंच सकती है, वहीं चीन की आबादी घटकर 131.7 करोड़ हो सकती है। भारत में जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 0.8 से भी अधिक पहुंच चुकी है। जनसंख्या अभिशाप है या वरदान- यह एक सार्थक बहस का विषय होना चाहिए। हमारे शिक्षण संस्थानों में केवल जनसंख्या वृद्धि को अभिशाप के रूप में ही पढ़ाया जाता रहा है और गरीबी व बेरोजगारी की समस्या को बढ़ती जनसंख्या के ऊपर मढ़ दिया जाता है। देश और राज्यों में बनी सभी सरकारों के सामने जनसंख्या वृद्धि एक चुनौती रही है। किसी भी सरकार ने इस चुनौती का सामना करने के लिए इतनी संजीदगी नहीं बरती है जितनी बरती जानी चाहिए थी। देश की जनसंख्या में हो रही वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाव डाल रही है, जिससे पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। गरीबी, असमानता बढ़ रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था पर निरंतर बोझ बढ़ रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं की आम जनमानस तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है।

शिक्षा का बुनियादी ढांचा बढ़ती आबादी की जरूरतों से जूझ रहा है। शहरीकरण के कारण मूलभूत आवश्यकताओं और आधारभूत अवसंरचना पर दबाव बढ़ गया है। इसके अतिरिक्त, जनसंख्या वृद्धि के कारण रोजगार अवसरों में भी कमी आई

है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी अब तक उच्चतम स्तर (8.5 प्रतिशत) पर है। गरीबी दूसरी बड़ी चुनौती है, जहां लगभग 16.4 प्रतिशत आबादी गरीब है और लगभग 4.2 प्रतिशत लोग भीषण गरीबी का सामना कर रहे हैं। गरीबी और बेरोजगारी का मुख्य कारण देश के नागरिकों में कौशलता की कमी होना है। भारत के केवल 4.7 प्रतिशत कार्यबल ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जर्मनी और दक्षिण कोरिया में यह संख्या क्रमश: 75 प्रतिशत और 96 प्रतिशत है। मोटे तौर पर भारत में असंगठित क्षेत्र में 83 प्रतिशत कार्यबल कार्यरत है और संगठित क्षेत्र में 17 प्रतिशत। अर्थव्यवस्था में 92.4 प्रतिशत अनौपचारिक श्रमिक हैं जिनके पास कोई लिखित अनुबंध, सवेतन छुट्टी और अन्य लाभ नहीं हैं। जो एक चिंतनीय विषय है। दूसरी ओर दुनिया के कई संपन्न देश जापान, इटली, ईरान व ब्राजील आदि जनसंख्या की कमी से जूझ रहे हैं। जहां कार्यों की अधिकता होते हुए श्रम शक्ति की कमी बनी हुई है। इसके विपरीत भारत में श्रम शक्ति अधिक होते हुए रोजगार में निरंतर कमी आ रही है। यह बेहद चिंता का विषय है। ज्यादा जनसंख्या वाले देशों में बड़ी कुशल श्रमशक्ति होती है, जो उत्पादन और आर्थिक विकास में मदद कर सकती है। अधिक जनसंख्या का मतलब है कि उत्पाद और सेवाओं के लिए बड़ा बाजार, जो व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देता है। ज्यादा जनसंख्या में प्रतिभाशाली और रचनात्मक व्यक्तियों की संख्या भी अधिक होती है, जो नवाचार और नए विचारों को जन्म दे सकते हैं। बड़ी जनसंख्या वाले देशों में अधिक सैनिक और सुरक्षा बल हो सकते हैं, जो देश की रक्षा को मजबूत बनाते हैं।

इसलिए, जनसंख्या का संतुलित प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए जनसंख्या वृद्धि का बेहतर प्रबंधन करने की आवश्यकता है। युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन देने, युवा शक्ति को बेहतर ढंग से चैनेलाइज करने और प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में योगदान दे सकें। हम कौशल विकास और शिक्षा में निवेश बढ़ाकर, युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान कर सकते हैं और अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं। देश की सरकार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सरकारों, संगठनों से सहयोग कर कृषि, ऑटो, रक्षा, सेवा, साइंस व अन्य उत्पादन के क्षेत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी।

रेल पथ की स्वच्छता का तैयार हो रोडमैप

पंकज चतुर्वेदी

हाल ही में केरल हाईकोर्ट ने एक स्वत: संज्ञान मामले में कड़े शब्दों में कहा कि रेलवे थोक में कचरा पैदा कर रहा है क्योंकि पटरियों पर पाया जाने वाला अधिकांश कचरा ट्रेनों से आता है। न्यायालय ने कहा कि रेलवे का कर्तव्य है कि वह पटरियों के करीब कचरा फेंकना बंद करे। खास बात यह कि पटरियों पर फेंका गया कचरा जल निकायों में बह जाता है जिससे पर्यावरण को काफी नुकसान होता है। हालांकि स्टेशनों के पास कचरे का उचित प्रबंधन किया जाता है, लेकिन पटरियों के किनारे से कचरे को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाते हैं। न्यायालय ने कहा कि डंपिंग का एक कारण डिब्बों में पर्याप्त डस्टबिन नहीं होना है।

भारतीय रेल 66 हजार किलोमीटर से अधिक के रास्तों के साथ दुनिया का तीसरा सबसे वृहत नेटवर्क है, जिसमें हररोज बारह हजार से अधिक यात्री रेल और करीब सात हजार मालगाड़ियां 24 घंटे दौड़ती हैं। अनुमान है, इस नेटवर्क में हररोज करीब दो करोड़ तीस लाख यात्री तथा एक अरब मीट्रिक टन सामान की ढुलाई होती है। विडंबना है, पूरे देश की रेल पटरियों के किनारे गंदगी, कूड़े और सिस्टम की उपेक्षा की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। कई जगह तो प्लेटफार्म भी अतिक्रमण, अवांछित गतिविधियों और कूड़े का ढेर बने हैं। देश की राजधानी दिल्ली से आगरा के रास्ते दक्षिणी राज्यों, सोनीपत-पानीपत के रास्ते पंजाब, गाजियाबाद की ओर से पूर्वी भारत, गुरुग्राम के रास्ते जयपुर की ओर जाने वाले किसी भी रेलवे ट्रैक को दिल्ली शहर के भीतर ही देख लें तो जाहिर हो जाएगा कि देश के असली कचरा-घर तो रेल पटरियों के किनारे ही संचालित हैं। सनद रहे, ये सभी रास्ते विदेशी पर्यटकों के लोकप्रिय रूट हैं और जब दिल्ली आने से 50 किलोमीटर पहले से ही पटरियों के दोनों तरफ कूड़े, गंदे पानी, बदबू का अम्बार दिखता है तो उनकी निगाह में देश की कैसी छवि बनती होगी। सराय रोहिल्ला स्टेशन से जयपुर जाने वाली ट्रेन लें या अमृतसर या चंडीगढ़ जाने वाली वंदे भारत, जिनमें बड़ी संख्या में एनआरआई भी होते हैं, गाड़ी की खिड़की से बाहर देखना पसंद नहीं करते। इन रास्तों पर रेलवे ट्रैक से सटी झुग्गियां, खुले में शौच जाते लोग उन विज्ञापनों को मुंह चिढ़ाते दिखते हैं जिनमें सरकार के स्वच्छता अभियान की उपलब्धियों के आंकड़े होते हैं।

असल में रेल पटरियों के किनारे की कई-कई एकड़ भूमि अवैध अतिक्रमणों की चपेट में है। इन पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भूमाफिया का कब्जा है जो वहां रहने वाले गरीब मेहनतकश लोगों से वसूली करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों के जीविकोपार्जन का जरिया कूड़ा बीनना या कबाड़ी का काम करना ही है। ये पूरे शहर का कूड़ा जमा करते हैं, अपने काम का सामान निकाल कर बेच देते हैं और बकाया को पटरियों के किनारे ही फेंक देते हैं, जहां धीरे-धीरे गंदगी के पहाड़ बन जाते हैं। यह भी आगे चलकर नई झुग्गी का मैदान होता है। दिल्ली से फरीदाबाद रास्ते को ही लें, यह पूरा औद्योगिक क्षेत्र है।

हर कारखाने वाले के लिए रेलवे की पटरी की तरफ का इलाका अपना कूड़ा, गंदा पानी आदि फेंकने का नि:शुल्क स्थान होता है। वहीं इन कारखानों में काम करने वालों के आवास, नित्यकर्म का भी बेरोकटोक गलियारा रेल पटरियों की ओर ही खुलता है। कचरे का निपटान पूरे देश के लिए समस्या बनता जा रहा है। यह सरकार भी मानती है कि देश के कुल कूड़े के महज पांच प्रतिशत का ईमानदारी से निपटान हो पाता है। दिल्ली का तो 57 फीसदी कूड़ा परोक्ष-अपरोक्ष रूप से यमुना में बहा दिया जाता है या फिर पटरियों के किनारे फेंक दिया जाता है। पटरियों के किनारे जमा कचरे में खुद रेलवे का भी बड़ा योगदान है। खासकर शताब्दी, वंदे भारत, राजधानी जैसी प्रीमियम गाड़ियों में, जिसमें ग्राहक को अनिवार्य रूप से तीन से आठ बार तक भोजन परोसने होते हैं। इन दिनों पूरा भोजन पेक्ड और सिंगल यूज बर्तनों में ही होता है। हर रोज अपना मुकाम आने से पहले खानपान व्यवस्था वाले कर्मचारी बचा भोजन, बोतलें, पैकिंग सामग्री के बड़े-बड़े थप्पे चलती ट्रेन से पटरियों के किनारे फेंक देते हैं। यदि हर दिन एक रास्ते पर दस डिब्बों से ऐसा कचरा फेंका जाए तो जाहिर है कि एक साल में उस वीराने में प्लास्टिक जैसी नष्ट न होने वाली चीजों का अम्बार होगा। कागज, प्लास्टिक, धातु जैसा कूड़ा तो कचरा बीनने वाले जमा कर रिसाइक्लिंग वालों को बेच देते हैं। सब्जी के छिलके, खाने-पीने की चीजें, मरे हुए जानवर आदि कुछ समय में सड़-गल जाते हैं। इसके बावजूद ऐसा बहुत कुछ बच जाता है, जो हमारे लिए विकराल संकट का रूप लेता जा रहा है। उल्लेखनीय है, यही हाल इंदौर, पटना, बंगलूरु या गुवाहाटी या फिर इलाहबाद रेलवे ट्रैक के भी हैं। शहर आने से पहले गंदगी का अम्बार पूरे देश में एक समान ही है।

राजधानी दिल्ली का हो या फिर दूरस्थ कस्बे का रेलवे प्लेटफार्म, निहायत गंदे, भीड़भरे, अव्यवस्थित व अवांछित लोगों से भरे होते हैं, जिनमें भिखारी, अवैध वेंडर और यात्री को छोड़ने आए रिश्तेदारों से लेकर भांति-भांति के लोग होते हैं। ऐसे लोग रेलवे की सफाई के सीमित संसाधनों को तहस-नहस कर देते हैं। कुछ साल पहले बजट में रेलवे स्टेशन विकास निगम के गठन की घोषणा की गई थी, जिसने रेलवे स्टेशन को हवाई अड्डे की तरह चमकाने के सपने दिखाए थे। कुछ स्टेशनों पर काम भी हुआ, लेकिन जिन पटरियों पर रेल दौड़ती है और जिन रास्तों से यात्री रेलवे व देश की सुंदर छवि देखने की कल्पना करता है, उसके उद्धार के लिए रेलवे के पास न तो कोई रोडमैप है और न ही परिकल्पना।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए करें ये योगासन

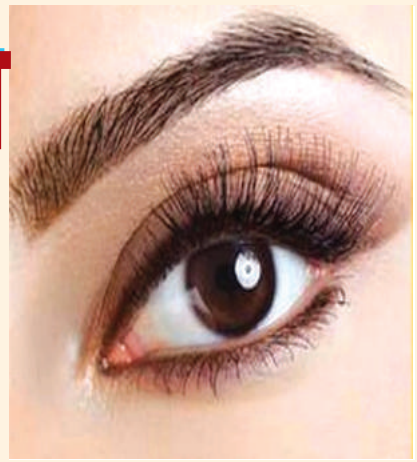

गलत खानपान, मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन पर अधिक समय बिताने और आंखों को आराम न देने के कारण कम उम्र से ही लोगों को नजर कम होने की समस्या हो सकती है। उम्र बढ़ने के साथ आंखों की तमाम बीमारियां और रोशनी कम होना आम समस्या है लेकिन अब छोटे बच्चों में आंखों की समस्या बढ़ने लगी है, जो कि चिंताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी को हमेशा आंखों की सेहत का ख्याल रखना जरूरी है। आंखों की सेहत के लिए जीवनशैली में सुधार और पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। साथ ही दिनचर्या में कुछ प्रकार के योगासनों को शामिल करने की आदत भी बनाएं। कई तरह की शारीरिक समस्याओं के साथ ही योग आंखों के लिए भी फायदेमंद है। योग विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर आप में आंखों की बीमारियों की शुरुआत है तो रोजाना योग का अभ्यास करना चाहिए। इससे आंखों की रोशनी तेज होती है और चश्मा लगाने से बचा जा सकता है।

चश्मा लगाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

अनुलोम-विलोम प्राणायाम

प्राणायाम के दैनिक अभ्यास से संपूर्ण शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। नियमित अनुलोम विलोम प्राणायाम का अभ्यास अवरूद्ध ऊर्जा चैनलों (नाड़ियों) को साफ करने और मन को शांत रखने में सहायक है। तंत्रिकाओं को राहत दिलाने और दृष्टि में सुधार के साथ ही त्वचा को स्वस्थ बनाने के लिए अनुलोम विलोम प्राणायाम का नियमित अभ्यास करना चाहिए।

सर्वांगासन योग

आंखों की सेहत के साथ ही रक्त संचार को ठीक रखने के लिए सर्वांगासन के अभ्यास की आदत बनाएं। सर्वांगासन के नियमित अभ्यास से मस्तिष्क और ऑप्टिक नर्व्स में रक्त परिसंचरण को बढ़ावा मिलता है। वहीं आंखों को आराम देने के साथ मस्तिष्क को भी स्वस्थ बनाता है।

हलासन योग का लाभ

पीठ-कमर से लेकर रक्त के परिसंचरण को ठीक बनाए रखने के लिए हलासन योग का अभ्यास लाभकारी माना जाता है। हलासन शरीर के ऊपरी हिस्से में रक्त के संचार को बढ़ावा देने में मदद करता है जिसके कारण आंखों को स्वस्थ रखा जा सकता है। नियमित तौर पर इस योग के अभ्यास से वृद्धावस्था तक आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। वहीं तंत्रिका तंत्र को शांत करने और इससे संबंधित विकारों के जोखिम को कम करने में भी हलासन लाभकारी है।

बिना कसरत किए घटाएं अपना वजन

क्या आप भी अपनी लाइफस्टाइल नहीं बदल पा रहे हैं? क्या आपका वजन बढ़ रहा है? क्या आप भी वजन कम करने के लिए तमाम तरह के जतन कर रहे हैं, लेकिन कोई नतीजा नहीं मिल रहा? वजन घटाने के लिए डाइटिंग का ले रहे हैं सहारा? वजन कम करना तो चाहते हैं, लेकिन तमाम कोशिश के बावजूद कसरत नहीं कर पाते? तो इसका पहला तरीका है कि दिन में आप चाहे दो बार खाना खाते हों या तीन बार। आपको बस अपना खाना खाने के बाद 20 मिनट के लिए बिल्कुल आराम से टहलना है। अपने घर में ही टहल लें। खाना खाने के बाद नियम बना लीजिए कि 20 मिनट के लिए आराम से टहलना ही टहलना है। इसके लिए मोबाइल या घड़ी में 20 मिनट का टाइमर लगा लें। चाहें तो ईयरफोन लगाकर या ऐसे ही टहलने लगें। बस ध्यान इतना रखना है कि दिन में हर बार खाना खाने के बाद इसे करना ही है। जबकि दूसरा तरीका है कि जब भी खाना खाएं, कमर को सीधा रखकर खाएं। कभी भी झुककर या आराम की मुद्रा में बैठकर खाना नहीं खाना चाहिए। कमर को सीधे रखकर खाने से भूख कम लगती है, जबकि आराम से या झुककर बैठने से भूख ज्यादा लगती है। कभी भी खाना खाने के बाद सोफा-कुर्सी, बिस्तर पर ना जाएं। रात का खाना शाम सात बजे से पहले ही खाने की आदत डाल लें।

हंसना मना है

बैंक मैनेजर- कैश खत्म हो गया है कल आना। संता- लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए। मैनेजर- देखिए आप गुस्सा मत करिए, शांति से बात कीजिए। संता- ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।

पति- क्या देख रही हो? पत्नी- कुकिंग शो। पति- दिन भर कुकिंग शो देखा करती हो, खाना बनाना तो फिर भी नहीं आया तुम्हें। पत्नी- आप भी तो कौन बनेगा करोड़पति देखते रहते हैं, तो कौन सा करोड़पति बन गए।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

कहानी — साधु की संगत से चोर ने चोरी छोड़ी

एक डाकू था, जो लूट पाट करता था। एक बार एक गांव से धन लूटकर वो भाग रहा था कि घोड़े पर से गिर कर घायल हो गया। उसने देखा पास में ही एक साधू की कुटिया है, धन को जमीन में गाढ कर वो साधु की कुटिया में गया। साधु रात्रि भोजन हेतु ही बैठे थे। दरवाजे पर दस्तक सुन उन्होंने कहा, जो कोई भी है, अन्दर आ जाओ। डाकू अन्दर गया तो साधु ने उसे भी बैठने के लिए आसन दिया, और पहले उसके समक्ष भोजन परोसा, फिर स्वयं लिया। साधु ने उसे भोजन प्रारम्भ करने को कहा- आप अतिथि है इसलिए आप ईश्वर के सामान है, आप पहले भोजन आरंभ करे। डाकू को आजतक किसी ने इतने सम्मान से ना कहा था और ना ही खिलाया था। डाकू ने भोजन किया। साधु ने एक चटाई उसके लिए बिछा दी और कहा रात में आप कहां जाइएगा तो यही विश्राम कर लीजिए। डाकू थोड़ा घायल था, तो चलने में उसे तकलीफ़ हो रही थी, जैसे ही साधु को उसके ज़ख्म का पता चला, उसका उपचार करने लगे। कुछ पत्तों को पीसकर उसका रस लेप करके एक कपड़े से उसके ज़ख्म पर बांधा। और सहारा देकर उसे चटाई पर लिटाया। डाकू साधु की उदारता से बहुत प्रभावित हुआ, उसने कहा, बाबा आप कितने संतुष्ट और उदार व्यक्तित्व के स्वामी है। आप में दया की भावना है। क्या आपको कभी धन की लालसा नहीं होती? साधु बोले- धन तो नश्वर है बालक, और जो चीज नष्ट हो जाए उसके लिए लालसा करना विनाश की ओर अग्रसर होना है। लालसा करनी है तो उन अनश्वर अनादि और अविनाशी ईश्वर की करो, जो एकमात्र सत्य है। डाकू को साधु की बाते सुन खुद पर लज्जा आ रही थी, कि उसने आजतक चोरी, डाका जैसे बुरे कार्य ही किए है। फिर भी उसके जीवन में शांति और संतुष्टि नहीं है। डाकू अपने सारे अपराधों की क्षमा साधु से मांगने हेतु उनके चरणों में गिर पड़ा, और साधु को अपनी सच्चाई बतलाई। और कहा- मैं आपकी उदारता से खुद की नजरों में लज्जित हूं। आज से और अभी से सबकुछ छोड़कर एक अच्छा इंसान बनना चाहता हूं। साधु विनम्रता से बोले, बिसर गई सब तात पराई, जब ते साध संगत मोहे पाई ! मतलब भागवत गीता में स्वयं ईश्वर कहते है, यदि कोई अतिशय दुराचारी भी अनन्य भाव से मेरा भक्त होकर मुझको भजता है तो वह साधु समान मानने योग्य है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मिथुन — मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क — घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें।

सिंह — नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

तुला — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

धनु — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मकर — कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है।

कुम्भ — व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन — नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

फिर खौफनाक रूप लेकर होश उड़ाने आये विक्रम

साउथ सुपरस्टार चियान विक्रम ने हर किरदार में खुद को बखूबी साबित किया है। ऐसे में उनकी फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्सुकता बनी रहती हैं। ऐसे में अब एक्टर की अगली फिल्म थंगालान का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इस बार फिर से विक्रम को अपने करियर के चुनौतिपूर्ण किरदार को पर्दे पर उतारते हुए देखा जा रहा है। ट्रेलर में उनका लुक इतना बदल दिया गया है कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो गया है। चलिए जानते हैं कैसा है फिल्म का ट्रेलर

थंगालान में कोलार गोल्ड फील्ड्स में घटित हुई कुछ सच्ची घटनाओं को पर्दे पर उतारा गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि एक गांव में ब्रिटिश जनरल पहुंचता है और सभी गांव वालों को बताता है कि उनके गांव में सोने के निशान मिले हैं। ऐसे में गांव वाले भी सोने की खोज में जुट जाते हैं। इस दौरान उन्हें महसूस होता है कि कोई अलौकिक शक्ति उन्हें खजाने तक पहुंचने से रोक रही है।

विक्रम अब इस अलौकिक शक्ति को ढूंढने में लग जाते हैं और उन्हें इसमें सफलता भी मिल जाती है। उन्हें पता चलता है कि उनके गांव की आरती (मालविका मोहनन) गांव वालों को उस खजाने तक जाने से रोक रही है।

इसके बाद आरती और पूरे गांव वालों के बीच एक युद्ध शुरू हो जाता है। वहीं, अब सवाल ये उठता है कि आरती ऐसा आखिर क्यों कर रही है, जिसका जवाब फिल्म की रिलीज के साथ ही मिल पाएगा।

फिल्म में दिखेंगे ये सितारे

थंगालान के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। वहीं, विक्रम की एक्टिंग और लुक लोगों के होश उड़ाने के लिए काफी है। फिल्म में शानदार एक्शन देखने को मिल रहा है। पा रंजीत के निर्देशन में बनी थंगालान में जीवी प्रकाश कुमार से संगीत दिया है। वहीं, पार्वती थिरुवोथु, पासुपथी और डैनियल कैल्ट्रोगिन जैसे सितारे भी अहम रोल में दिखेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अब हमारी हर ऑर्गनाईजेशन में एक लीगल डिपार्टमेंट हैं : करण

फिल्मों पर होने वाले विवादों का जोर आजकल ऐसा है कि फिल्म रिलीज हो या न हो, ट्रेलर आया हो या नहीं, विवाद पहले शुरू हो जाते हैं। और ऐसे में राइटर्स या म्यूजिक की टीम की तरह अब प्रोडक्शन हाउस एक लीगल टीम भी रखने लगे हैं। बॉलीवुड के टॉप फिल्ममेकर्स में से एक करण जौहर ने अब लीगल टीम रखने, इसकी जरूरत और विवादों के डर को लेकर बात की है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बड़े प्रोड्यूसर्स में से एक करण ने बताया कि बॉलीवुड एक सॉफ्ट टारगेट बन चुका है और अक्सर इसे गैरजरूरी विवादों में घसीट लिया जाता है। करण ने बताया कि उनका प्रोडक्शन हाउस अब सेल्फ-सेंसरशिप करने लगा है। करण ने कहा, किसी तरह के कानूनी विवाद में पड़ने का डर बन चुका है। अब हमारी हर ऑर्गनाईजेशन में एक लीगल डिपार्टमेंट है। हमें कोर्ट केस नहीं चाहिए, हम नहीं चाहते कि हमारे खिलाफ एफ. आई. आर. हो, ताकि हम बचे रहें। धर्मा प्रोडक्शन हो या हमारी डिजिटल कंपनी, धर्मेटिक एंटरटेनमेंट, जो भी स्क्रिप्ट बनती है वो एक इंटरनल सेंसरशिप से गुजरती है तभी हम आगे बढ़कर फिल्म बनाते हैं। ऐसा नहीं है कि हम डरे हुए हैं, हम बस कोर्ट केस लड़ने के स्ट्रेस और प्रेशर से बचना चाहते हैं। और किसी ऐसी चीज पर अपनी एनर्जी नहीं लगाना चाहते, जिसके बिना भी हम अच्छे से अपना काम कर सकते हैं। करण ने कहा कि अक्सर जिन लोगों को फिल्मों से आपत्ति होती है, उन्हें आपत्ति जताने की जरूरत है ही नहीं।

ये ऐसे लोग हैं जो हमेशा गलत वजहों से शोर मचाते रहते हैं। और ये लोग सिर्फ शोर मचाने के लिए ही ऐसा करते हैं क्योंकि बॉलीवुड या इंडियन सिनेमा एक सॉफ्ट टारगेट है। करण ने आगे कहा, बहुत सारे लोग हैं जो बहुत सारी चीजें कहते रहते हैं या करते रहते हैं और जैसे ही हम लोग कुछ कहते हैं हमें निशाना बना लिया जाता है। फिर आप सब जगह खबरों में होते हैं। हमें ऑनलाइन अटैक किए जाते हैं। हम सॉफ्ट टारगेट हैं, यही सच है।

पहले करवाचौथ पर कैटरीना गूगल से पूछ रही थीं चांद निकले का समय

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ दिसंबर, 2021 में शादी के बंधन में बंधे। दोनों की डेटिंग की किसी को खबर तक नहीं लगी। वहीं, शादी के बाद अक्सर कपल को एक दूसरे के बारे में कई मजेदार बात करते हुए देखा जाता है। इसी बीच अब विक्की कौशल ने फिर से पत्नी कैटरीना को लेकर एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया है। उन्होंने उस समय के बारे में जब एक्ट्रेस ने पहली बार करवाचौथ का व्रत रखा था।

हाल ही में विक्की से जब उनके पहले करवाचौथ पर चर्चा की गई तो उन्हें व्रत रखने में कोई परेशानी नहीं होती। विक्की ने कहा, एक्टर होने के नाते हेल्थ मेंटेन करने के लिए कई बार स्ट्रिक्ट डाइट पर रहना पड़ता है। वहीं, कैटरीना गूगल क्वीन हैं। करवाचौथ वाले दिन भी उन्होंने गूगल से पूछा था कि चांद कितने बजे आएगा। गूगल ने उन्हें 8.30 का टाइम बताया। मैंने कैटरीना से कहा कि चांद गूगल की बात नहीं सुनता। वो तब आएगा जब उसे आना होगा।

विक्की ने आगे कहा, मैंने उनसे कहा कि गूगल को बादलों की मूमेंट का अनुमान नहीं होता, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं मानी और हुआ वही जो मैंने कहा था। 8.30 तक चांद नहीं निकला। 8.30 तक तो सब ठीक था, लेकिन इसके बाद कैटरीना परेशान हो गईं। उन्हें भूख लगने लगी। एक बार कैटरीना ने करवाचौथ के व्रत पर इंटरव्यू दिया था। उन्होंने कहा था कि सबसे प्यारी बात यह थी कि विक्की ने भी मेरे साथ व्रत रखा था।

एक भैंस दो दावेदार : पुलिस नहीं कर पाई फैसला, तो भैंस ने खुद ऐसे सुलझाया विवाद

गांव में जब कोई विवाद हो जाता है तो पंचायत उसे सुलझाती है। लेकिन क्या आपने कभी किसी जानवर को विवाद सुलझाते देखा है। ऐसा ही एक अनोखा मामला हाल हील में उत्तर प्रदेश में सामने आया है। यहां एक भैंस को लेकर दो लोग दावा कर रहे थे। जब पंचायत इस मामले को नहीं सुलझा पाई तो भैंस ने खुद ही अपना विवाद सुलझा लिया। मामला यूपी के प्रतापगढ़ का है। यहां एक भैंस पर 2 लोगों का दावा था। इसके लिए पंचायत हुई और मामला पुलिस के पास भी गया लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। ऐसे में भैंस ने ही अनसुलझे केस को सुलझा लिया।दरअसल, महेशगंज थाना क्षेत्र के राय असकरनपुर गांव निवासी नंदलाल सरोज की भैंस कुछ दिन पहले गायब हो गई थी। वह भैंस भटककर पूरे हरिकेश गांव में पहुंच गई थी। वहां हनुमान सरोज नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर उस भैंस को पकड़ लिया। भैंस की खोजबीन शुरू की गई तो पता चला कि उसकी भैंस पूरे हरिकेश गांव में हनुमान सरोज के यहां बंधी है। इसके बाद नंदलाल उस व्यक्ति के घर पहुंचा तो हनुमान सरोज ने अपनी भैंस बताते हुए देने से इन्कार कर दिया। इसके बाद जब शिकायत पंचायत के पास पहुंची तो पंचायत को बुलाया गया। हालांकि पंचायत में मामला नहीं सुलझ पाया। जब पंचायत में मामला नहीं सुलझा तो इस मुद्दे को पुलिस के समक्ष ले जाया गया। मगर पुलिस को भी काफी परेशानी हुई। तमाम पूछताछ के बाद पुलिस भी निष्कर्ष पर नहीं आ सकी। काफी कोशिशों के बाद भी मामला नहीं सुलझा। ऐसे में दारोगा अवधेश शर्मा को एक उपाय सूझा। उन्होंने दोनों पक्षों को थाने के बाहर निकाल दिया और गेट बाहर खड़ा कर दिया। उन्होंने भैंस को खुला छोड़ दिया। गांव वाले भी इस निर्णय से सहमत हुए और नंदलाल और हनुमान दोनों को अपने गांव के रास्ते पर विपरीत दिशाओं में खड़े होने के लिए कहा गया। भैंस नंदलाल के पास पहुंच गई। ऐसे में मामला स्पष्ट हो गया और भैंस को नंदलाल को दे दिया गया। इसके बाद भैंस को थाने से रिहा कर दिया और वह सीधे नंदलाल के पीछे-पीछे राय असकरनपुर गांव की ओर चली गई। ऐसे में भैंस ने खुद अपने केस को सुलझा दिया।

अजब-गजब | शायद स्पोर्ट्स प्रेमी नहीं जानते होंगे कारण

फटे मोजे क्यों पहनते हैं फुटबॉलर?

इन दिनों फुटबॉल जगत में यूरो कप की धूम मची हुई है। अब फाइनल मुकाबला स्पेन और इंग्लैंड के बीच होना है। दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमी इस मैच को देखने के इंतजार में हैं। स्पोर्ट्स से जुड़ी कई ऐसी अजब-गजब बातें हैं, जिनके बारे में बहुत से लोगों को नहीं पता होता है। हालांकि, स्पोर्ट्स प्रेमी दावा करते हैं कि वो अपने पसंदीदा स्पोर्ट्स के बारे में सब कुछ जानते हैं। आज हम फुटबॉल से जुड़ा एक रहस्य लेकर आए हैं, जिसके बारे में शायद फुटबॉल को पसंद करने वाले भी नहीं जानते होंगे। हाल ही में इंग्लैंड के मैच में आपने गैर किया होगा कि खिलाड़ियों के मोजे फटे हुए थे। ये पहली बार नहीं हुआ है, पहले भी खिलाड़ी छेद वाले मोजे पहनते रहे हैं। क्या आप इसका कारण जानते हैं? अगर आपको लग रहा है कि ये सिर्फ डिजाइन है, इसके पीछे कोई बड़ी वजह नहीं है, तो आप गलत हैं। कई बार खिलाड़ी अपने मोजों में छेद खुद ही कर लेते हैं। फील्ड पर फटे मोजे दिखने में चाहे जैसे लगें, पर खिलाड़ियों को ऐसे मोजों से काफी सहूलियत होती है। मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार फिजियोथेरापिस्ट निकी डी लियोना ने इसका जवाब दिया है। उन्होंने बताया कि फटे मोजों की वजह से खिलाड़ियों को मूवमेंट में आसानी होती है।

निकी ने कहा कि फुटबॉलर्स द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मोजे ऐसे डिजाइन किए जाते हैं कि वो ज्यादा टाइट रहें और लेग मसल्स को कवर करने के साथ उन्हें गर्म भी रखें। इसके साथ ही ये मोजे शिन पैड को अपनी जगह पर रहने में भी मदद करते हैं। हालांकि, ये मोजे कई बार इतने ज्यादा टाइट होते हैं कि खिलाड़ियों के मूवमेंट को रोकते हैं। खिलाड़ी खुद ही अपने मोजों में ये छेद बना लेते हैं जिससे उनकी पैर की मसल्स में खून का दौरा बढ़ जाए। छेद होने से मोजे ज्यादा एक्सपैंड कर सकते हैं। निकी ने कहा कि खिलाड़ियों को लगता है कि छेद करने से खिलाड़ी अपनी काफ की मसल पर प्रेशर नहीं पड़ने देना चाहते, इससे उन्हें खेलने में आसानी होती है। उन्होंने बताया कि ये नई ट्रिक नहीं है और यूरो कप से पहले भी कई बार देखने को मिली है। इस तरह खिलाड़ियों के पैर में क्रैंप्स भी नहीं होते हैं।

अडानी ग्रुप ने समुद्र में रचा इतिहास

विझिंजम पोर्ट का परिचालन शुरू

» भारत के सबसे बड़े ट्रांसशिपमेंट पोर्ट में पहुंचा पहला कंटेनर

» केरल के सीएम, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री व अडानी पोर्ट्स के सीईओ करण अडानी ने किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम्। भारत के सबसे बड़े ट्रांसशिपमेंट पोर्ट अडानी पोर्ट्स ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। बीते दिन विझिंजम पोर्ट पर पहला कंटेनर शिप सैन फर्नांडो पहुंचने के साथ ही इसने नया इतिहास रचा है। शुक्रवार को विझिंजम पोर्ट पर पहली मदर शिप का आधिकारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया है। यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है जो वैश्विक ट्रांसशिपमेंट में भारत के समुद्री इतिहास में एक नए युग का प्रतीक है, जिसने विझिंजम को इंटरनेशनल ट्रेड रूट मैप में महत्वपूर्ण स्थान दिया है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने किया और केरल के पोर्ट मंत्री वी. एन. वासवन ने सभा की अध्यक्षता की। केंद्रीय पोर्ट, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल मुख्य अतिथि थे। अडानी पोर्ट्स के सीईओ करण अडानी ने मदरशिप के उद्घाटन समारोह में आए सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है. आज का दिन एक बहुत लंबे इंतजार के अंत का दिन है। आज वह दिन है जब 33 साल पुराना सपना आखिरकार सच हो गया। आज वह दिन है जब हम केरल राज्य को विश्व स्तरीय बंदरगाह प्रदान करने का अपना वादा पूरा कर पाए हैं।

केरल सीएम पिनराई विजयन ने अडानी का जताया आभार

केरल सीएम पिनराई विजयन ने इस उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हम करण अडानी का आभार व्यक्त करते हैं। करण अडानी यहां पहले भी कई बार आ चुक हैं। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में उन्होंने जो प्रतिक्रिया दिखाई है, हम उनका आभार व्यक्त करते हैं उन्होंने कहा कि ये तो सिर्फ पहला चरण है, इसके बाद तीन और चरण आने वाले हैं हम निर्माण कार्य को कम से कम 17 साल पहले पूरा करने की उम्मीद कर रहे हैं।

भारतीय समुद्री इतिहास में एक नई गौरवशाली उपलब्धि: करण

विझिंजम पोर्ट के महत्व पर एपीएसईजेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अडानी ने कहा कि सैन फर्नांडो अब हमारे बंदरगाह पर मौजूद है, यह भारतीय समुद्री इतिहास में एक नई, गौरवशाली उपलब्धि का प्रतीक है। यह एक संदेशवाहक है जो दुनिया को बताएगा कि भारत के पहले ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल और सबसे बड़े गहरे पानी के पोर्ट ने कमर्शियल ऑपरेशन शुरूकर दिया है। पोर्ट के अत्याधुनिक इनफ्रास्ट्रक्चर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में किसी भी दूसरे पोर्ट के पास में टेक्नोलॉजी नहीं है। हमने यहां दक्षिण एशिया की सबसे एडवांस कंटेनर हैंडलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया है। एक बार जब हम ऑटोमेशन और वैसल ट्रैफिक मैनेजमेंट को पूरा कर लेंगे तो विझिंजम दुनिया के सबसे एडवांस ट्रांसशिपमेंट पोर्ट में से एक होगा। वर्तमान में, भारत का 25प्रतिशत कटेनर ट्रैफिक इस समुद्री रास्ते से ट्रांसशिप किया जाता है।

उद्घाटन के बाद मदर शिप कोलंबो के लिए हुई रवाना

जानकारी के मुताबिक, आधिकारिक उद्घाटन के तुरंत बाद, मदर शिप कोलंबो के लिए रवाना हो गई। विझिंजम पोर्ट देश का पहला ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है, जो केरल में कोवलम बीच के पास स्थित है। शुक्रवार को पोर्ट के पहले चरण के विकास का कार्य भी पूरा कर लिया गया है, इसमें 3,000 मीटर की ब्रेकवाटर और 800 मीटर की कटेनर बर्थ तैयार है। बीते दिन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी मस्क का जहाज सैन फर्नांडो 2,000 से अधिक कंटेनरों के साथ बंदरगाह पर पहुंचा था।

33 साल का सपना पूरा हुआ

20 हजार करोड़ रुपये का निवेश

करण अडानी ने कहा कि पहले चरण में हम 10 लाख टीईयू को हैंडल कर रहे हैं। हमें भरोसा है कि 2028-29 तक 15 लाख टीईयू को हैंडल करेंगे,अडानी पोर्ट ने इसमें 20,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा किसी ने सोचा नहीं था कि ये वर्ल्ड क्लास पोर्ट बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि 1991 में जब इस बंदरगाह परियोजना की पहली बार घोषणा की गई थी तो यह एक सामान्य गाँव था। यह पोर्ट ग्लोबल कंटेनर शिपिंग के लिए दुनिया के टॉप डेस्टिनेशन में से एक बनने जा रहा है।

मप्र वन्य प्राणियों के लिए भी असुरक्षित प्रदेश : कमलनाथ

» बाघों की मौत पर शुरू हुआ वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। टाइगर स्टेट के नाम से प्रसिद्ध मध्य प्रदेश में बाघों की स्थित को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। वन विभाग की कमेटी में बताया गया कि बाघों की मौत के मामले में एमपी नंबर वन बन गया है। पिछले छह महीनों में कुल 26 बाघों की मौत हुई, जिसमें से 12 मौतें बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हुई हैं। इसे लेकर प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक्स पर ट्वीट कर जांच की मांग की है। कमलनाथ ने ट्वीट कर लिखा कि, मध्य प्रदेश वन्य प्राणियों के लिए भी असुरक्षित प्रदेश बनता जा रहा है।

टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश में पिछले छह महीनों में 23 बाघों की मौत हुई है, जिसमें से अकेले बांधवगढ में 12 बाघों की मौत हुई है। उन्होंने लिखा कि वर्ष 2024 में देश में अब तक कुल 75 बाघों की मौत हुई है, जिसमें अकेले मध्य प्रदेश में 23 बाघों की मौत हुई है। देश में कुल बाघों की मौत का 30प्रतिशत आंकड़ा अकेले मध्य प्रदेश से है।

बांधवगढ में शिकारियों और अंतरराष्ट्रीय तस्करों की सांठगांठ

कमलनाथ ने आगे लिखा कि बताया जा रहा है कि बांधवगढ में शिकारियों और अंतरराष्ट्रीय तस्करों की सांठगांठ से बाघों की मौत का घिनौना खेल खेला जा रहा है। वन विभाग को कुछ शिकारियों के खातों में अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के भी सबूत मिले हैं। हम बाघों की मौत के मामले में पूरे देश में नंबर वन आ चुके हैं, बावजूद इसके सरकार कोई भी ठोस कदम उठाने में नाकाम साबित हुई है।

मुनक नहर टूटने पर आप व एलजी एक्शन में

» एलजी ने मुख्य सचिव को दिए जांच के आदेश

» मंत्री आतिशी ने किया दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । उत्तर दिल्ली के बवाना में मुनक नहर का एक हिस्सा बीती रात अचानक टूट गया। जिसके बाद रिहायशी इलाकों में पानी भर गया। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना एक्शन लिया है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली की मंत्री आतिशी हालात का जायजा लेने के लिए बवाना इलाके की जेजे कॉलोनी पहुंचीं। बैराज टूटने से रिहायशी इलाकों में पानी घुसने के बाद यह इलाका पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुनक नहर की सीएलसी शाखा में बड़े पैमाने पर दरार को गंभीरता से लिया है।

उन्होंने मुख्य सचिव को आदेश दिया है कि वे इस मामले को दिल्ली के जल मंत्री और दिल्ली के बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री के समक्ष उठाएं। साथ ही हरियाणा के अधिकारियों के समक्ष उठाया जाए। उन्होंने कहा कि इस चैनल को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। मरम्मत और रखरखाव का काम जल्द पूरा हो। नहर के बिना लाइन वाले हिस्से को भी प्राथमिकता के आधार पर लाइनिंग के लिए लिया जाना चाहिए, ताकि दरारों और पानी की हानि से बचा जा सके। दिल्ली की मंत्री आतिशी हालात का जायजा लेने के लिए बवाना इलाके की जेजे कॉलोनी पहुंचीं। उत्तरी दिल्ली की मुनक नहर का बैराज टूटने और आस-पास के रिहायशी इलाकों में पानी घुसने के बाद यह इलाका जलमग्न हो गया है। जानकारी के लिए बता दें कि मुनक नहर दिल्ली को पेयजल का मुख्य स्त्रोत है। ये नहर बवाना में रात 2:30 बजे पानी का अधिक दबाव होने की वजह से टूट गई। पानी बवाना जेजे कॉलोनी इलाके में भर गया। नहर को सही करने का कार्य रात को ही चालू हो गया था।

बवाना का इलाका जलमग्न

बीजेपी ने रचा षड्यंत्र, यमुना नहर की डीपीआर बनाने का दावा झूठा : यशवर्धन

भजनलाल सरकार ने 17 फरवरी 2024 को बड़े गाजे-बाजे के साथ यमुना जल प्रोजेक्ट की डीपीआर चार महीने में बना देने का दावा किया था। पांच महीने बीत जाने के बाद अब बजट में डीपीआर बनाने की शुरुआत के लिए पैसों का आवंटन किया गया है। मानो चुनाव जीतने के लिए जनता को गुमराह किया गया था। कांग्रेस प्रवक्ता यशवर्धन सिंह बोले कि चार महीने में यमुना जल प्रोजेक्ट की डीपीआर बनाने का दावा करने वाली भजनलाल सरकार ने जनता से झूठ बोला है। योजना में आज तक तो काम शुरू भी नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज़िले की जनता को जवाब देना चाहिए।

राजनीतिक दलों के दबाव में पीछे हटा डीयू

» मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव को किया खारिज

» प्रधान बोले- संविधान ही सर्वोपरि रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने कानून के पाठ्यक्रम में मनुस्मृति को पढ़ाने के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है। बता दें कि यह प्रस्ताव जबसे सामने आया था तबसे इसकी आलोचना की जा रही थी और राजनीतिक दलों के बीच भी इस मुद्दे को लेकर बयानबाजी तेज हो गयी थी। शिक्षकों ने भी एलएलबी के छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव की आलोचना की थी।

प्रस्ताव खारिज होने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने जहां संविधान का राज कायम रखने का भरोसा देश को दिलाया है वहीं राजनीतिक दलों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। विधि संकाय ने अपने प्रथम और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को 'मनुस्मृति' पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम में संशोधन करने के वास्ते दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था से मंजूरी मांगी थी। न्यायशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम में परिवर्तन एलएलबी के प्रथम और छठे सेमिस्टर से संबंधित था। संशोधन के अनुसार दो पाठ्यपुस्तकों- जी.एन. झा द्वारा लिखित 'मेधातिथि के मनुभाष्य के साथ मनुस्मृति' और टी. कृष्णस्वामी अय्यर द्वारा लिखी 'मनुस्मृति- स्मृतिचंद्रिका का टीका' पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव था।

मायावती ने कुलपति के फैसले का किया स्वागत

बसपा प्रमुख मायावती ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि भारतीय संविधान के मान-सम्मान व मर्यादा तथा इसके समतामूलक एवं कल्याणकारी उद्देश्यों के विरुद्ध जाकर मनुस्मृति पढ़ाए जाने के प्रस्ताव का तीव्र विरोध स्वाभाविक था। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने खासकर उपेक्षितों व महिलाओं के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के साथ ही मानवतावाद एवं धर्मनिरपेक्षता को मूल में रखकर सर्व स्वीकार भारतीय संविधान की संरचना की, जो मनुस्मृति से कतई मेल नहीं खाता है। अतः ऐसा कोई प्रयास कतई उचित नहीं है।

आरएसएस के प्रयास को अंजाम तक पहुंचाने की थी चाल : जयराम

कांग्रेस ने भी 'मनुस्मृति' पढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि ये सब संविधान और बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की विरासत पर हमला करने के आरएसएस के प्रयास को अंजाम तक पहुंचाने की चाल का हिस्सा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया था, "ये सब संविधान और डॉक्टर आंबेडकर की विरासत पर हमला करने के आरएसएस के दशकों पुराने प्रयास को अंजाम तक पहुंचाने के लिए नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की चाल का हिस्सा है।'

बेरोजगारी की बीमारी के केंद्र बने बीजेपी शासित राज्य : राहुल

» गुजरात में प्राइवेट नौकरी में जुटी भीड़ का वीडियो हो रहा वायरल

» बोले कांग्रेस नेता - ये मोदी के अमृतकाल की हकीकत है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि बेरोजगारी की बीमारी ने भारत में एक महामारी का रूप ले लिया है, और आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्य इस बीमारी का केंद्र बन गए हैं।

उनकी टिप्पणी गुजरात के भरूच जिले के अंकलेश्वर में 40 रिक्तियों के लिए एक फर्म द्वारा आयोजित वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए लगभग 800 लोगों के आने के बाद भगदड़ जैसी स्थिति की घटना पर आई थी। जिस होटल में साक्षात्कार हो रहा था, उसके प्रवेश द्वार की ओर जाने वाले रैंप पर चढ़ने की कोशिश कर रहे अभ्यर्थियों द्वारा धक्का-मुक्की की गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट के जरिए इसको लेकर भाजपा पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने लिखा कि बेरोज़गारी की बीमारी भारत में महामारी का रूप ले चुकी है और भाजपा शासित राज्य इस बीमारी का एपिसेंटर बन गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक आम नौकरी के लिए कतारों में धक्के खाता 'भारत का भविष्य' ही नरेंद्र मोदी के 'अमृतकाल' की हकीकत है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि पूरे भारत में रोज़गार सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है और विपक्ष इसको लेकर सरकार पर सवाल करते रहा है। हाल में खत्म हुए लोकसभा चुनाव में भी बेरोजगारी बड़ा मुद्दा था।

जनता से किए गए 'धोखेबाजी मॉडल' का प्रमाण : खरगे

वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये वीडियो 22 वर्षों से भाजपा द्वारा गुजरात की जनता से किए गए धोखेबाज़ी मॉडल का प्रमाण है। खड़गे ने कहा कि ये वीडियो 10 वर्षों से मोदी सरकार ने जिस तरह युवाओं की नौकरियाँ छीनी है, उनके भविष्य को तबाह किया है उसका ठोस सबूत भी है।

बंगाल को बदनाम कर रही भाजपा : ममता बनर्जी

» मीडिया पर भी बरसीं टीएमसी प्रमुख

» बोलीं- पुरानी घटना को बार-बार दिखाया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर 24 परगना जिले के अरियाधा में भीड़ के हमले की हालिया घटना पर राज्य को कथित रूप से बदनाम करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मीडिया के एक वर्ग की आलोचना की।

मुख्यमंत्री ने कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि दो साल पुरानी घटना, जिसका एक वीडियो क्लिप वायरल हुआ था, तब हुई थी जब अर्जुन सिंह बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद थे। ममता ने टीवी चैनलों के एक वर्ग पर विधानसभा उपचुनाव से पहले भाजपा के इशारे पर पुरानी घटना को बार-बार दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मीडिया का एक वर्ग और बीजेपी बंगाल में बीजेपी को मिली हार के लिए अपने डैमेज कंट्रोल के तहत राज्य को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। अरियादाहा में लोगों के एक समूह द्वारा एक लड़की पर हमला करने का पुराना वीडियो क्लिप सामने आने के बाद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला शुरू किया और स्थानीय टीएमसी नेता और मुख्य संदिग्ध जयंत सिंह सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

महाराष्ट्र में परिषद चुनाव जारी, 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधान परिषद की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान हो रहा है। 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। यह चुनाव काफी अहम है क्योंकि तीन महीने के अंदर राज्य में विधानसभा के चुनाव होने हैं। जून 2022 में हुए एमएलसी चुनाव के बाद ही राज्य में चल रही तत्कालीन महाविकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। इसकी शुरुआत चुनाव में क्रॉस वोटिंग के जरिए हुई थी। इन चुनावों की अहमियत इसी से समझी जा सकती है।

क्रॉस वोटिंग बिगाड़ेगी गणित

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव की अधिसूचना 25 जून को जारी की गई थी। 2 जुलाई तक तमाम उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। 3 जुलाई को नामांकन की जांच हुई और नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 5 जुलाई रही। विधान परिषद चुनाव के लिए मतदान 12 जुलाई को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक है। मतों की गिनती 12 जुलाई को ही शाम पांच बजे होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, चुनाव की प्रक्रिया 16 जुलाई से पहले पूरी कर ली जाएगी। सदन के 11 मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 27 जुलाई, 2024 को खत्म हो रहा है। ये सदस्य हैं डॉ. मनीषा श्यामसुन्दर कायंदे, विजय विट्ठल गिरकर, अब्दुल्ला खान ए. लतीफ खान दुर्रानी, निलय मधुकर नाइक, अनिल परब, रमेश नारायण पाटिल, रामराव बालाजीराव पाटिल, डॉ. वजाहत मिर्जा अतहर मिर्जा, डॉ. प्रज्ञा राजीव सातव, महादेव जगन्नाथ जानकर और जयन्त प्रभाकर जानकर पाटिल हैं।

नेपाल में भूस्खलन, दो बसें त्रिशूली नदी में बहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

65 लापता जिनमें सात भारतीय भी शामिल

काठमांडू। नेपाल में खराब मौसम लोगों के लिए आफत बना हुआ है। बताया जा रहा है कि आज यानी शुक्रवार सुबह मध्य नेपाल में मदन-आश्रित राजमार्ग पर भूस्खलन की वजह से लगभग 63 यात्रियों को ले जा रही दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं। दोनों चालकों समेत सभी लापता बताए जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इनमें सात भारतीय भी शामिल थे।

चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्रदेव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बसों में चालकों सहित कुल 63 लोग सवार थे। हादसा सुबह करीब 3:30 बजे हुआ। हम घटनास्थल पर हैं और तलाशी अभियान चल रहा है। लगातार बारिश के कारण लापता बसों की तलाश में हमें दिक्कत आ रही है। घटना चितवन जिले में नारायणघाट-मुगलिंग रोड पर सिमलताल इलाके में हुई। इस बीच मौसम खराब रहने के कारण काठमांडू से भरतपुर, चितवन तक की सभी उड़ानें आज के लिए रद्द कर दी गई हैं। जानकारी के मुताबिक, काठमांडू जाने वाली एक बस और राजधानी से गौर जाने वाली दूसरी बस सुबह करीब साढ़े तीन बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। काठमांडू जाने वाली बस में 24 लोग और गौर जाने वाली बस में 41 लोग सवार थे। बताया यह भी जा रहा है कि दूसरी बस में सवार तीन यात्री कूदकर भागने में सफल रहे। बीरगंज से काठमांडू जा रहे 21 यात्रियों के बारे में जानकारी मिली है। हालांकि, पुलिस ने बताया है कि बस में सवार यात्रियों में सात भारतीय नागरिक भी थे।

प्रधानमंत्री ने ली जानकारी

त्रिशूली नदी में बस के लापता होने पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने तत्काल खोज और बचाव अभियान के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने नागरिकों से आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया। पुलिस अधीक्षक भावेश रिमल ने कहा कि नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के जवान बचाव अभियान के लिए घटनास्थल की ओर बढ़ रहे हैं। नारायणघाट-मुगलिंग सड़क खंड पर विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण मलबा आने से यातायात बाधित हुआ है।

यूपी में भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ। मौसम विभाग के तमाम दावों के बावजूद बृहस्पतिवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में सिर्फ बादलों की ही आवाजाही रही। हालांकि गोरखपुर, वाराणसी, गाजीपुर, बलिया जैसे कुछ पूर्वी इलाकों में बारिश हुई, लेकिन बाकी हिस्सों में लोग बारिश का इंतजार ही करते रहे। दिन भर लोग गर्मी व उमस से परेशान रहे।

नगर निगम ने अवैध कब्जे से मुक्त कराई कीमती जमीन

राजधानी में जोन-4 के अंतर्गत पिपराघाट जी-20 चौराहे के पास था भूखंड, 4PM की खबर का असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4पीएम की खबर का नगर निमग पर बड़ा असर हुआ है। राजधानी में जोन 4 के अंतर्गत पिपराघाट जी 20 चौराहे के पास नदी के किनारे खाली जमीन पर अवैध रूप से कबाड़ एवम अवैध जानवर का कार्य चल रहा था, जिसे नगर निगम से हटा दिया है।

बता दें कि रेलवे ट्रैक से मिली जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर यहां कबाड़ की दुकान वह डेयरी संचालित की जा रही थी । यह सरकारी जमीन पर लगभग 20 करोड़ रुपए कीमत की थी। इसको लेकर जब 4पीएम ने इसकी पड़ताल की तो पता चला इस जमीन पर कुछ लोग अवैध रूप से झोपड़पट्टी डालकर अपना व्यवसाय संचालित कर रहे हैं 4पीएम ने इस खबर को प्रमुखता के साथ छापा था। जिसके बाद नगर निगम तत्काल एक्शन में आया।

4 पीएम ने पिछले दिनों छापी थी खबर।

नगर आयुक्त के निर्देश पर कार्रवाई

नगर आयुक्त के निर्देश पर अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव वा अपर नगर आयुक्त डॉक्टर अरविंद कुमार राव ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर अपने अधीनस्थों को निर्देश दिया। जिसके बाद इस कीमती जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। हालांकि साथी 20 छुट्टा जानवर कई टन कूड़ा कबाड़ को हटाया गया लखनऊ के कई इलाकों में इस तरह के कब्जे किए जा रहे हैं जिसको लेकर भी नगर निगम लगातार कब्जा को मुक्त करने के लिए मुहिम चला रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।